“जलता– गलता– सडता”

Kashmir Singh

कितना भी घातक

कैसा भी हो

कौन कहता है

कि नषा छोडा

नहीं जा सकता है।

अरे !ऐसा भी क्या हैघ

कि बुराई का रास्ता

अच्छाई में नहीं

जोडा जा सकता है।

जीवन में

कुछ न कुछ तो

करना ही पडता है।

लेकिन सुनो बन्दे

जो करता अच्छा है

सो कहलाता सच्चा है

बुरा कृत्य करने वाला

हर दम–हर पल–हर युग

तिल–तिल

जलता–गलता–सडता है।